भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3814
उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2025
3 चैत्र, 1947 (शक)

खेलो इंडिया योजना में एथलीट ड्रॉपआउट

†3814. श्री विष्णु दयाल रामः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि बड़ी संख्या में खिलाड़ी खेलो इंडिया योजना से बाहर हो गए हैं, जिसका मुख्य कारण प्रशिक्षण के साथ-साथ शैक्षणिक सहायता का अभाव है;

(ख) क्या सरकार ने खेल प्रशिक्षण को अकादमिक शिक्षा के साथ जोड़ने वाली एकीकृत संस्था स्थापित करने के लिए भी कोई कदम उठाए हैं;

(ग) यदि हां, तो ऐसे संस्थानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) : 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण खेल प्रशिक्षण को अकादमिक शिक्षा के साथ जोड़ने वाली एक एकीकृत संस्था की स्थापना करने सहित खेलों के संवर्धन का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। खेलो इंडिया एथलीटों की छटनी (केआईए) एक सतत और व्यवस्थित प्रक्रिया है, जो नियमित रूप से मूल्यांकन के माध्यम से की जाती है। साथ ही इसके, केआईए को दी जाने वाली सहायता में शैक्षिक भत्ता भी शामिल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इन आवधिक मूल्यांकनों के आधार पर कुल 163 केआईए की छटनी की गई। इसके अलावा, चयनित खेल विधाओं के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने के साथ खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी, खेल कोचिंग के क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस मंत्रालय ने इम्फाल, मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू) की स्थापना की है, यह अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है।

एनएसयू के अलावा, सरकार ग्वालियर में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), पटियाला, पंजाब में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) और तिरुवनंतपुरम, केरल में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई) का संचालन भी करती है, जो देश में प्रमुख खेल और शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण-सह-अनुसंधान संस्थान हैं।

****